Bharat Temples

छुक छुक रेल चली खाटू धाम

छुक छुक रेल चली खाटू रिंग्स धाम रे
इक बार जो खाटू पहुंचा बन गए उस के काम रे
छुक छुक रेल चली खाटू धाम

फागुन में खाटू में लगता श्याम प्रभु का मेला
कोई ले परिवार चला कोई चल दिया एक अकेला
केसरियां निशान लिए जाती भगतो की टोली
हो तकदीर वाले की खेले श्याम संग में होली
टिकट कटा लो रिजर्वेशन अपने अपने नाम रे
इक बार जो खाटू पुहंचा बन गए उस के काम रे
छुक छुक रेल चली खाटू धाम

छोटे छोटे बचो मम्मी पापा को पटा लो
श्याम रंग बरसे खाटू में रंगला चुनरी चोला
भगती रंग में रंग देगा श्याम बड़ा अलबेला
वर्ष वर्ष की थकन मिटे गी मिल जाए आराम रे
इक बार जो खाटू पुहंचा बन गए उस के काम रे
छुक छुक रेल चली खाटू धाम

Source:
https://www.bharattemples.com/chuk-chuk-rail-chali-khatu-ringas-dhaam-re/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw